AP-03

सामान्य अध्ययन (टेस्ट - I)

GENERAL STUDIES (Test - I)

मॉड्यूल - I / Module - I

DTVF/18–M–GS1

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time allowed: Three Hours

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

नाम (Name): Anoop Meena

क्या आप इस बार मुख्य परीक्षा दे रहे हैं? | हाँ | ✓ | नहीं | |

मोबाइल नं. (Mobile No.):

ई-मेल पता (E-mail address):

टेस्ट नं. एवं दिनांक (Test No. & Date): 1 ; dec. 19, 2017

रोल नं. [यू.पी.एस.सी. (प्रा.) परीक्षा-2018] [Roll.No. UPSC (Pre) Exam-2018]:

परीक्षा का माध्यम (Medium of Exam.): हिंदी

विद्यार्थी के हस्ताक्षर (Student's Signature): Anupmeena

नोट: प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश अंतिम पृष्ठ पर संलग्न है।

Evaluation Analysis

MARKS: 57.5 /250

Introduction	Context	Content	Structure	Current Link / Examples	Conclusion	Language
B	B	B	B	B	B	B

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

2. अभिवृत्ति एवं सिद्धांतों के मध्य संघर्ष ने अमेरिकी समाज को क्रांतिमय बना दिया। टिप्पणी करें। (250 शब्द) 12.5

Conflict between attitude and principles made the American society revolutionary. Comment. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

संदर्भित दृष्टिकोण अमेरिकी समाज को क्रांतिमय बनाने की समुचित व्याख्या करता है।

अमेरिकी क्रांति को अभिवृत्ति व सिद्धांतों के मध्य संघर्ष की अनेकों रूपों में व्याख्या संभव है सर्वप्रथम तो अमेरिकावासी की स्वतंत्रता की चाह से प्रेरित अभिवृत्ति ने ब्रिटिश उपनिवेशी नीतियों का प्रतिरोध करके संघर्षमय वातावरण बनाकर समाज को क्रांतिमय बनाया।

वस्तुतः ब्रिटेन द्वारा अमेरिका पर प्रारंभतः कठोर औपनिवेशिक नियंत्रण न करने के कारण वहाँ स्वातंत्र्यिक चेतना का विकास हुआ परंतु जब ब्रिटेन ने कठोर नीतियों का निर्माण किया तो संघर्षमय वातावरण बना।

साथ ही अमेरिकावासी मुक्त व्यापार व पूँजीवाद के समर्थक थे। ब्रिटेन द्वारा बनाये गये औद्योगिक, व्यापारिक कानूनों ने अमेरिकि वासियों की मुक्त व्यापार करने की प्रवृत्ति को

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

जबरन नियंत्रित करने का प्रयास किया। इससे भी समाज में क्रांतिमय वातावरण बना।

बात यहीं तक सीमित नहीं है अमेरिकावासी राजनीतिक संस्थाओं में पर्याप्त प्रतिनिधित्व चाहते थे जबकि ब्रिटेन बिना प्रतिनिधित्व दिए भारी करारोपण की ओर उन्मुख हो रहा था। इस प्रवृत्ति ने भी अमेरिकी ~~अभिवृत्ति~~ सिद्धांतों की ब्रिटिश अभिवृत्ति से टकराहट पैदा की।

इसके अतिरिक्त पुनर्जागरणकालीन व यूरोपीय ज्ञान-विज्ञान के प्रसरण, बौद्धिकों के चिंतन आदि को ब्रिटिशों ने दमनात्मक रवैया अपनाकर दबाने की कोशिश की जिसकी परिणति यह हुयी कि अमेरिका में लोगों में स्वातंत्र्य चेतना का विकास हुआ एवं क्रांतिमय वातावरण का निर्माण हुआ।

समग्रतः अमेरिकावासियों की स्वातंत्र्यप्रियता, मुक्तव्यापार व पूँजीवादी आर्थिक रवैया, राजनीतिक संस्थाओं आदि अभिवृत्तियों की ब्रिटिश

अमेरिकी उपनिवेश एवं इंग्लैंड के अभिवृत्तियों व्या सिद्धांतों में अंतर्विरोध को स्पष्ट नहीं किया गया है।
07

विषयवस्तु का अध्ययन करें।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

2

औपनिवेशिक सिद्धांतों से टकराव के कारण अमेरीकी समाज को क्रांतिमय स्वरूप मिला।

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	1/2	1	1/2	1/2	—		
Grade	C	C	D	C			

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

3. उन्नीसवीं सदी के प्रारंभ में संपन्न औद्योगिक क्रांति को संभव बनाने में वैज्ञानिक आविष्कारों एवं तकनीकी परिवर्तनों की भूमिका का परीक्षण करें। (250 शब्द) 12.5

Examine the role of scientific inventions and technological changes in making industrial revolution possible at the advent of 19th Century. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

औद्योगिक क्रांति से तात्पर्य है उत्पादन प्रक्रिया में परिवर्तन ; जिसके परिणामस्वरूप वस्तुओं व सेवाओं की उत्पादन, उपलब्धता व गुणात्मक क्षमता में सकारात्मक वृद्धि होती है

औद्योगिक क्रांति को और स्पष्ट करें

औद्योगिक क्रांति को संभव बनाने में मशीनीकरण का प्रमुख योगदान रहा है जिसका विकास वैज्ञानिक आविष्कारों से ही संभव था

जेम्स वाट द्वारा भाप का इंजन का निर्माण किया गया। इसने परंपरागत परिवहन साधनों से तीव्र परिवहन सुविधा उपलब्ध हुयी। इसने कच्चे मालों को कारखानों तक पहुँचाने व निर्मित माल को बाजार तक पहुँचाने में महती भूमिका निभायी। यही नहीं इसने श्रमिकों की गतिशीलता व सामाजिक गतिशीलता में भी वृद्धि हुयी।

कोयला खदानों के श्रमिकों के लिए हंफ्री डेवी ने सेफ्टी लैंप का विकास करके

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

गहन स्तरीय कोयला उत्खनन को संभव बनाया जिससे शक्ति का अतिरिक्त स्रोत मिला।

मैनचेस्टर व लिवरपुल जैसे ब्रिटिश शहरों में सूती मिलों ने हस्तशिल्प मिलों को अधिग्रहित करके सूती वस्त्र की उत्पादकता व गुणवत्ता में वृद्धि की।

शक्ति के संसाधन के रूप में जल विद्युत व कोल विद्युत का प्रयोग किया जाने लगा।

अवसंरचनात्मक विकास के क्रम में कोलतार व डामर से निर्मित पक्की सड़कों का निर्माण होने लगा जिसे परिवहन गतिशीलता बढ़ी।

सीमेंट उद्योग व लौह इस्पात संबद्ध प्रगलन संयंत्रों के विकास ने आधारभूत उद्योगों का विकास किया। इसका सर्वप्रमुख उदाहरण फ्रांस का एल्सेस-लॉरेन लौह प्रदेश, ब्रिटेन का बर्मिंघम व लंकाशायर क्षेत्रों में बढ़ी उत्पादकता को ले सकते हैं।

यद्यपि यह सही है कि वैज्ञानिक आविष्कारों ने औद्योगिक क्रांति को संभव बनाया

विभिन्न आविष्कार एवं तकनीकी परिवर्तनों की चर्चा नहीं की जा सकी है।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

परंतु इसमें पुनर्जागरणकालीन अभिप्रेरणा, तर्कवाद ; वैज्ञानिक राष्ट्रवाद, कारखाना प्रणाली, साम्राज्यवादी आकांक्षा ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभायी।

2 1/2

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	1/2	1	1	1/2	—	—	
Grade	C	C	C	C			

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

4. इटली एवं जर्मनी में फासिस्ट शक्तियों का उदय तत्कालीन परिस्थितियों की एक अपरिहार्य परिणति थी। विवेचना कीजिये। (250 शब्द) 12.5

The rise of fascist powers in Italy and Germany was an inevitable culmination of contemporary circumstances. Explain. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

प्रथम विश्वयुद्ध के उपरांत अनेक ऐसी परिघटनाएँ उत्पन्न हुयी जिन्होंने इटली व जर्मनी में फासिस्ट शक्तियों के उदय को अपरिहार्य बनाया —

फासीवाद का संक्षिप्त परिचय दें

→ वर्साय की संधि के भेदभाव मूलक, आरोपित, प्रतिशोधात्मक व युद्धविरामभूलक प्रकृति ने जर्मनी के राष्ट्रवाद को आहत करके नाजीवाद के उदय को प्रेरित किया तो इटली की आकांक्षायें (फ्यूम बंदरगाह) की पूर्ति पेरिस शांति सम्मेलन में न होने से विश्वासघाती स्वरूप लगा एवं फासीवाद प्रेरित हुआ।

→ प्रथम विश्वयुद्ध के उपरांत इन देशों में लोकतांत्रिक सरकारों की विफलता ने भी फासिस्ट शक्तियों को संभव बनाया क्योंकि राजनीतिक अस्थिरता के वातावरण में दीर्घकालीन सामाजिक-आर्थिक विकास नीतियाँ नहीं बन पा रही थी।

→ लोकार्नो संधि के अस्पष्ट व अधूरे स्वरूप (जैसे पूर्वी सीमा-जर्मनी-अनिश्चित होना; रूस को

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

शामिल न करना) ने भी हिटलर की साम्राज्यवादी आकांक्षाओं को प्रेरित किया।

→ 1929 की महान आर्थिक मंदी के कारण तीव्र मुद्रास्फीति, आधारभूत चीजों की अनुपलब्धता, लोकतांत्रिक सरकारों द्वारा इस स्थिति से निपटने में विफलता ने भी फासिस्ट शक्तियों के उदय को संभव बनाया।

→ ब्रिटेन व फ्रांस की तुष्टीकरण की नीति ने इटली व जर्मनी में फासिस्ट शक्तियों के उदय को संभव बनाया।

वे देखा जर्मनी व इटली को साम्यवाद के प्रसरण में अवरोधक के रूप में स्थापित करना चाहते थे। यही नहीं म्यूनिख समझौते को ब्रिटेन व फ्रांस द्वारा स्वीकारना तुष्टीकरण की नीति के चरम को दर्शाता है।

साथ ही ब्रिटेन यूरोप में फ्रांस को प्रतिसंतुलित करके शक्ति संतुलन बनाये रखने हेतु जर्मनी की अवांछनीय नीतियों को समर्थन देता था।

→ राष्ट्रसंघ की असफलता ने भी फासीवादी शक्तियों के उदय को संभव बनाया।

शस्त्रीकरण को बढ़ावा
मुसोलिनी का करिश्माई व्यक्तित्व

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

→ मुसोलिनी व हिटलर की घोषणाओं ने भी फासिस्ट शक्तियों के उदय को संभव बनाया। मुसोलिनी ने इथोपिया से इटली की पराजय को याद दिलाया तो हिटलर ने यहूदी विरोधी वातावरण, रक्त व मिट्टी का सिद्धांत, आर्यनस्ल का सिद्धांत प्रतिपादित करके लोगों का समर्थन हासिल किया।

समग्रतः स्वार्थपूर्ण रवैये, तुष्टीकरण नीति, आर्थिक मंदी ने विश्व में फासिस्ट शक्तियों के उदय को संभव बनाकर द्वितीय विश्वयुद्ध हेतु पृष्ठभूमि तैयार की

good

6/14

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	1/4	3	2	1/2	1/2	1/2	
Grade	C	A	B	B	B	A	

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

5. प्रथम विश्व युद्ध के उपरांत सामाजिक संरचना में मौलिक परिवर्तन दर्ज किये गए, जिनमें कला एवं साहित्य के क्षेत्र में हुए परिवर्तन उल्लेखनीय थे। स्पष्ट करें। (250 शब्द) 12.5

Fundamental changes were observed in social structure after the first world war, in which changes in the field of art and literature were remarkable. Explain. (250 words) 12.5

प्रथम विश्व युद्ध के उपरांत वैश्विकतः राजनीतिक, आर्थिक व सामाजिक संरचना में आमूलचूल परिवर्तन आया।

सामाजिक संरचना में मुख्य परिवर्तन अनेक रूपों में आये। इनमें सबसे प्रमुख है महिलाओं के अधिकारों जैसे मताधिकार, संपत्ति अधिकारों के संदर्भ में सकारात्मक परिवर्तन आये।

इसके साथ ही श्रमिक संगठनों के निर्माण से श्रमिक अधिकार सुनिश्चित हुये। इसमें महत्वपूर्ण भूमिका समाजवादी विचारधारा ने निभायी। नस्लवादी व रंगभेदी नीति में तीव्र गिरावट अंकित की गयी।

प्रथम विश्वयुद्ध के उपरांत कला व साहित्य के क्षेत्र में तीव्र परिवर्तन हुए। साहित्य की विषय वस्तु में आमूल-चूल परिवर्तन हुए। साहित्य ने पारंपरिक विषयवस्तु का परित्याग करके ग्रामीण जीवन केंद्रित, महिला केंद्रित, श्रमिक केंद्रित साहित्यिक

Copyright – Drishti The Vision Foundation

रचनाओं का विकास होने लगा।

साहित्य पर समाजवादी विचारधारा का प्रभाव उपयुक्त रूप से परिलक्षित होने लगा। जैसे- रवींद्रनाथ टैगोर की रचनाएँ ; थॉमस हार्डी आदि की कृतियाँ।

कला के संदर्भ में महत्वपूर्ण परिवर्तन स्थापत्य कला व चित्रकला के संदर्भ में आया। स्थापत्यकला के संदर्भ में अब भवनों का निर्माण सौंदर्यात्मकता के साथ-साथ सुरक्षात्मक पहलू को भी ध्यान में रखा जाने लगा।

यही नहीं कला का प्रसरण व विसरण भी हुआ। जैसे यूरोप में इस्लामिक कला के तत्व जैसे मीनारों व गुंबदों का बहुतायतता से निर्माण होने लगा तो भारत व दक्षिण-पूर्वी एशियाई देशों में इण्डो-गॉथिक जैसी शैलियों के साथ-साथ रोमन-ग्रीक स्थापत्य का पुनः प्रचलन बढ़ा।

चित्रकला में संवेदनशीलता का अंकन प्रमुखतया से किया जाने लगा। साथ ही युद्ध दृश्यों, ग्रामीण जीवन, महिलाओं की स्थिति का भी अंकन किया जाने लगा। चूँकि प्रथम विश्वयुद्ध से प्रभावित क्षेत्र काफी विस्तृत

Copyright – Drishti The Vision Foundation

था इसलिए इसमें अफ्रीकी, दक्षिणी अमेरिकी, एशियाई व यूरोपीय जनजीवन का समावेशन होने लगा।

संगीतकला में एशियाई क्षेत्रों पर पाश्चात्य संस्कृति का प्रभाव पड़ने लगा एवं पॉप संगीतों की लोकप्रियता बढ़ने लगी। साथ ही नृत्यकला में भी परिवर्तन अंकित किये गये।

सारांशतः प्रथम विश्वयुद्ध के उपरांत हुये परिवर्तनों का प्रभाव वैश्विक रहा एवं इसने एक संश्लेषित वातावरण का सृजन किया।

3

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	1/4	1	1	1/4	1/4	1/4	
Grade	C	C	C	C	C	C	

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

6. अंग्रेज़ों ने जिस प्रक्रिया से भारत को उपनिवेश में बदलकर उसका शोषण किया, उसी प्रक्रिया ने उन कारणों को भी जन्म दिया जो उस सत्ता के विरुद्ध शुरू हुए विभिन्न जन-विद्रोहों के पीछे निहित थे। विवेचना करें। (250 शब्द) 12.5

The process by which the British exploited India after converting it in into a colony also gave birth to the factors which were behind the various mass agitations against that rule. Discuss. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

अंग्रेजों ने भारत को उपनिवेश में बदलने के लिए विभिन्न राजनीतिक, आर्थिक व सामाजिक-सांस्कृतिक हस्तक्षेप किये जिससे ~~[illegible]~~ एकपक्षीय रूप में अंग्रेजों को लाभ हुआ तो दूसरे पक्ष के रूप में विद्रोहों की पृष्ठभूमि निर्मित हुयी।

• अंग्रेजों ने संपूर्ण भारत में प्रशासनिक सुविधा व एकरूपता के लिए समान प्रशासनिक, फौजदारी व दीवानी नियमावली लागू किये। परंतु इसका दूसरा पहलू यह हुआ कि भारत ने पुनः राजनीतिक एकरूपता हासिल की एवं लोगों में साम्यता स्थापित हुयी।

• रेल व संचार साधनों का विकास अंग्रेजों ने भारतीय बाजार तक निर्मित माल पहुँचाने व कच्चे माल को बंदरगाह तक पहुँचाने हेतु किया था। इसका दूसरा पहलू यह था कि इसने भारतीयों की गतिशीलता बढ़ायी एवं सामाजिक भेदभावों को दूर करके ~~[illegible]~~

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

साझा शत्रु की पहचान करने व समान उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए लोगों को प्रेरित किया।

• ब्रिटिश आर्थिक नीतियों ने भी इसी तरह का वातावरण तैयार किया। भेदभावमूलक आर्थिक नीतियों ने व्यापारी-उद्योगपति वर्ग में असंतोष उत्पन्न किया।

स्थायी बंदोबस्त की नीति, महालवाड़ी व रैय्यतवाड़ी नीति से कृषकों का भूस्वामित्व छिनने से असंतोष उत्पन्न हुआ। इससे विद्रोहों की पृष्ठभूमि तैयार हुई। उच्च राजस्व दर ने भी इसे प्रेरित किया।

जनजातीय परंपराओं की अवहेलना करना, सामूहिक संपत्ति व वनों पर अधिकार को अंग्रेजों द्वारा अस्वीकृत करने की प्रक्रिया ने भी विद्रोह की पृष्ठभूमि तैयार की।

• ब्रिटिशों की भारत के आंशिक आधुनिकीकरण की नीति प्रशासनिक आवश्यकता पूर्ति तथा वैचारिकतः ब्रिटिश समर्थक भारतीय वर्ग तैयार करने से प्रेरित थी। परंतु यह वर्ग बाद में मध्यवर्ग के रूप में विकसित हुआ एवं सामाजिक सुधार आंदोलन करते हुए ब्रिटिश औपनिवेशिक नीतियों को अनावरित किया।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

→ वेलेजली की सहायक संधि प्रणाली व डलहौजी के व्यपगत सिद्धांत ने भी 1857 के विद्रोह व अन्य शासकीय विद्रोहों की पृष्ठभूमि तैयार की।

→ सामाजिक व सांस्कृतिक परंपराओं में हस्तक्षेप, जबरन ईसाईकरण की नीति, श्वेतनस्ल के भार के सिद्धांत ने भी भारतीयों को अपमानित किया जिससे अनेक सुधार आंदोलनों जैसे आर्य समाज, रामकृष्ण मिशन का उद्भव हुआ एवं ब्रिटिशों के खिलाफ उचित वातावरण तैयार हुआ।

समग्रतः ब्रिटिशों द्वारा अपनायी गयी प्रक्रियाओं के अप्रत्यक्ष पहलू के रूप में विद्रोहों की पृष्ठभूमि तैयार हुयी एवं भारत को औपनिवेशिक मुक्ति में सहायता मिली

good

6

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	1/4	3	2	1/4	1/4	1/4	
Grade	B	A	B	C	B	B	

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
Please do not write anything except the question number in this space)

7. कई महत्त्वपूर्ण मोर्चों पर असफल रहने के बावजूद स्थायी बंदोबस्त एक प्रगतिशील व्यवस्था थी। टिप्पणी करें। (250 शब्द) 12.5

Despite its failure on certain important fronts, Permanent Settlement was a progressive system. Comment. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

स्थायी बंदोबस्त प्रणाली एक भू-राजस्व व्यवस्था थी जो लॉर्ड कार्नवालिस द्वारा 1792 में लागू की गयी थी। यह भारत के 19% क्षेत्र (बंगाल, बिहार, ओडिशा, वाराणसी, उत्तरी कर्नाटक) में लागू थी।

यह व्यवस्था निम्नलिखित रूप में प्रगतिशील थी —

→ इस व्यवस्था में सरकार की आय सुनिश्चित कर दी गयी थी जिससे सरकार को बजट बनाने में अनिश्चित आय की समस्या का सामना नहीं करना पड़ता था।

→ सैद्धांतिकतः यह व्यवस्था इस विचार पर आधारित थी कि अतिरेक आय का जमींदार कृषि पर निवेश करेंगे एवं कृषि का उत्पादन बढ़ेगा जिससे कृषकों में लाभ की उत्प्रेरणा उत्पन्न होगी।

→ इस व्यवस्था के कारण ब्रिटिश कंपनी को प्रशासनिक वर्ग की समस्या का सामना नहीं करना पड़ा था। भारत का राजस्व प्रशासनिक ढाँचा पूर्ववत जारी था।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

→ इस व्यवस्था में जमींदारों को कानून व प्रशासनिक व्यवस्था से मुक्त करके केवल राजस्व के अधिग्रहण पर ध्यान केंद्रित किया गया। इसका लाभ यह हुआ कि जमींदार केवल कृषि उत्पादकता को बढ़ाने पर ध्यान देने लगा।

→ इस व्यवस्था को इस आधार पर भी प्रगतिशील कहा जा सकता है कि इसमें कृषक अपने अतिरेक उत्पादन को बजार कीमत पर बेच सकें। इससे व्यापार-वाणिज्य में वृद्धि के साथ-साथ हस्तशिल्प उद्योग में भी वृद्धि होगी।

परंतु वस्तुस्थिति इसके विपरीत थी। यह व्यवस्था निम्नलिखित रूपों में असफल रही -

- इस व्यवस्था ने कृषकों को उनके परंपरागत भूस्वामित्व के अधिकार से वंचित किया एवं उनको खेतिहर मजदूर में परिणत किया।
- कृषक-सरकार का प्रत्यक्ष संबंध समाप्त।
- जमींदार अधिक राजस्व वसूलने हेतु किसानों का शोषण करने लगे।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

• आय सुनिश्चित होने के कारण अतिरिक्त आय का लाभ सरकार को नहीं मिल सका।

• अतिरिक्त आय का दुरुपयोग करके उपजमींदारी, विलासिता व सामाजिक भ्रष्टाचार जैसी प्रवृत्तियों को बढ़ावा मिला।

• भारतीय हस्तशिल्प उद्योग का पतन हुआ।

बिचौलियों का प्रवेश

• अधिकांश जमींदार प्रवासी थे।

समग्रतः यह व्यवस्था सैद्धांतिक तौर प्रगतिशील प्रतीत होती है परंतु व्यवहार में शोषणकारी प्रतीत होती है इस नीति के वास्तविक स्वरूप से भिन्न होने का ही परिणाम ही भू-राजस्व व्यवस्था के अगले चरण में महालवाडी व रैय्यतवाडी प्रथा का लागू होना।

Good

6

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	½	3	2	½	½	½	
Grade	B	A	B	B	B	B	

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

8. पश्चिम और दक्षिण भारत में धार्मिक एवं सामाजिक सुधार आंदोलनों का प्रसार तथा उनका स्वरूप उत्तर भारत से काफी हद तक भिन्नता दर्शाता है। कथन की सकारण विवेचना करें। (250 शब्द) 12.5

The nature and spread of socio- religious reform movements in western and southern India shows difference with northern India to a large extent. Discuss the statement with reasons. (250 words) 12.5

धार्मिक व सामाजिक सुधार आंदोलनों ने भारतीयों में स्वातंत्र्य चेतना, परंपरागत अवांछनीय रूढ़ियों को त्यागने, भारतीय संस्कृति के प्रति गौरवान्वित महसूस करने में महती भूमिका निभायी।

पश्चिमी व दक्षिण भारत में इन आंदोलनों का प्रसार मद्रास, मैसूर, त्रावणकोर, बंबई, पंजाब में था तो उत्तरी भारत में बंगाल, बिहार, उत्तरप्रदेश संयुक्त व मध्य प्रांत प्रमुख थे।

पश्चिमी व दक्षिण भारत के सुधार आंदोलन उत्तर भारत के सुधार आंदोलनों की तुलना में उग्र स्वरूप व तीव्र ऊर्ध्वमुखी परिवर्तन वाले प्रतीत होते हैं जैसे दक्षिण भारत का जस्टिस आंदोलन, आत्मसम्मान आंदोलन आदि।

उत्तरी भारत में सामाजिक-धार्मिक बहुलता पश्चिमी व दक्षिणी भारत के सापेक्ष अधिक थी। इसलिए उत्तरी भारत के विभिन्न

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

सुधार आंदोलन परस्पर प्रतिक्रिया का स्वरूप भी लिये हैं। जैसे पटना केंद्रित वहाबी आंदोलन व देवेंद्रनाथ टैगोर द्वारा नेतृत्वशील उत्तरवर्ती आर्य समाजी आंदोलन।

प्रतिक्रिया का यह स्वरूप दक्षिण व पश्चिमी भारत में अंतर धार्मिक न होकर अंतर जातीय था। जैसे एझावा आंदोलन, वायकोम सत्याग्रह।

यद्यपि दक्षिण व पश्चिम भारत के आंदोलन (धार्मिकतः) कुछ रूप में उग्र भी मिलते हैं जैसे- आर्य समाज आंदोलन। उत्तरी भारत के आंदोलन आधुनिक विषय-वस्तुओं का सापेक्षतः अधिक अनुगमन करते प्रतीत हो रहे हैं। जैसे वहाँ निरक्षरता, विधवा विवाह, बाल हत्या निषेध प्रमुख विषय थे तो दक्षिण भारत में परंपरागत विषयों का ही अनुगमन प्रचलित था जैसे- मंदिर प्रवेश। इसका प्रमुख कारण सामाजिक शोषण, साक्षरता की स्थिति व आधुनिक विचारों में प्रचलन के अंतर के कारण प्रतीत होता है।

आदर्श, यथार्थता, भाषा, आधुनिक शिक्षा, नेतृत्व आदि के आधार पर भिन्नता की स्पष्ट चर्चा

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

→ पाश्चात्य आधुनिक विचारों का प्रभाव सापेक्षतः उत्तरी भारत पर अधिक था जिसके कारण वहाँ आधुनिक विषय अग्रगण्य रहे रहे। जबकि पश्चिमी भारत में रजवाड़ों की अधिकता ने इन्हें विपरीत होने से रोका।

समग्रतः धार्मिक अंतर्क्रिया, सामाजिक स्थिति, आधुनिक विचारों के प्रसरण व स्वीकार्यता आदि के कारण उत्तरी भारत एवं दक्षिणी व पश्चिमी भारत में सामाजिक- धार्मिक सुधार आंदोलनों में अंतर प्रतीत होता है

4

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	1/4	2	1	1/4	1/2	1/2	
Grade	B	B	C	B	B	B	

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

9. भारतीय राष्ट्रवाद की जो धारा असहयोग एवं खिलाफत आंदोलनों से निकली थी, वह नेहरू रिपोर्ट पर सर्वसहमति के अभाव में सतत् नहीं रह सकी। नेहरू रिपोर्ट की अनुशंसाओं के आधार पर कथन की विवेचना कीजिये। (250 शब्द) 12.5

The stream of Indian nationalism which originated from Non-Cooperation and Khilafat Movements had failed to sustain in the absence of consensus over Nehru report. Explain this statement on the basis of recommendations of Nehru report. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

भारतीय राष्ट्रवाद का धार्मिक समन्वय व वर्गीय समन्वय के आधार पर असहयोग व खिलाफत आंदोलन के समय बेहतरीन समायोजन देखने को मिलता है

इस समय मुस्लिमों ने स्वतंत्रता संघर्ष के समय बेहतरीन भागीदारी दर्ज करायी जो संभवतः कभी नहीं मिली। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस व मुस्लिम लीग की विचारधारा व कार्यक्रमों में अल्पकालिक साम्यता मिली।

परंतु नेहरू रिपोर्ट के साथ यह सर्वसहमति नहीं रह सकी।

नेहरू रिपोर्ट में पृथक निर्वाचन प्रणाली को समाप्त करके सार्वजनिक निर्वाचन प्रणाली को स्वीकृत करने की अनुशंसा की गयी जिससे लीग के नेतृत्ववर्ग में कांग्रेस के उद्देश्यों के प्रति संशय उत्पन्न हुआ।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

नेहरु रिपोर्ट में अवशिष्ट विषयों के प्रांतों की अपेक्षा केंद्रीय सरकार को सौंपने की सिफारिश की जबकि लीग चाहती थी कि अवशिष्ट विषय प्रांतीय सरकारों को सौंपा जाए। इससे वैचारिक मतभेद बढ़े।

नेहरु रिपोर्ट ने धर्मनिरपेक्ष डोमिनियन स्टेटस की माँग की एवं अल्पसंख्यकों के लिए स्थान आरक्षण का समर्थन किया। नेहरु रिपोर्ट की इस अनुशंसा के कारण लीग ने दिल्ली अधिवेशन में प्रतिक्रिया दर्ज करायी।

लीग चाहती थी कि केंद्रीय विधानमंडल व प्रांतीय विधानमंडलों में मुसलमानों के लिए 1/3 सीटें आरक्षित रहें जबकि नेहरु रिपोर्ट में जनसंख्या के आधार पर सीट आरक्षण की माँग की गयी थी।

नेहरु रिपोर्ट ने केवल सिंध को बंबई से पृथक करने की मांग की थी। इसने उत्तर पश्चिमी सीमा प्रांत, बिलहर को पृथक करने की मांग को अस्वीकृत करके लीग की मांग

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

को अस्वीकृत किया।

लीग के इस तर्क को नेहरू रिपोर्ट में पूर्णतः अस्वीकृत कर दिया गया कि मुस्लिम बहुल क्षेत्रों में केवल मुसलमानों को ही मत देने का अधिकार हो व पंजाब व बंगाल में मुस्लिम बहुमत सरकार बने।

नेहरू रिपोर्ट की प्रतिक्रिया स्वरूप जिन्ना ने 14-सूत्री मांगें प्रस्तुत करके भारतीय राष्ट्रवाद के चरम स्तर को विखंडित करने में भूमिका निभायी।

good

6 1/4

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	1/2	3	2	1/4	1/2	1/2	
Grade	A	A	B	B	B	B	

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

11. मैकडोनाल्ड अवॉर्ड सरकार द्वारा सांप्रदायिक एवं संवैधानिक मुद्दों के समाधान की दिशा में एक गंभीर किंतु दूषित पहल थी, जिसने अपने अंतर्निहित दोषों के कारण परस्पर विरोधी हितों के मध्य खाई को और अधिक चौड़ा कर दिया। परीक्षण कीजिये। (250 शब्द) 12.5

Macdonald Award was a serious but corrupt initiative to resolve communal and constitutional concerns by the government, which widened the gap between mutually contradictory interests. Evaluate. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

तृतीय गोलमेज सम्मेलन के उपरांत ब्रिटिश प्रधानमंत्री ने श्वेत पत्र के माध्यम से मैकडोनाल्ड अवार्ड लागू किया।

इसमें संवैधानिक व सांप्रदायिक मुद्दों के संदर्भ में अस्पष्ट व ऊहापोह वाली स्थिति कायम की।

इसमें पृथक् निर्वाचन प्रणाली का विस्तार करके दलितों को भी इसमें शामिल किया एवं उनको अल्पसंख्यकों का दर्जा दिया उसकी परिणति यह हुयी कि दलित वर्ग शेष हिंदू समाज से वैधानिकतः कट गया।

महात्मा गाँधी के अनुसार इन सुधारों हिंदू समाज सुधार की प्रक्रिया मंद होगी एवं दलितों की निम्न सामाजिक स्थिति को स्थायित्व मिलेगा।

मैकडोनाल्ड अवार्ड में कांग्रेस के प्रमुख लक्ष्य पूर्ण स्वराज्य के बारे में स्पष्ट प्रावधान नहीं थे। इसलिए राष्ट्रवादी धड़े में यह असमंजस की स्थिति बनी कि सविनय अवज्ञा

प्रांतीय व्यवस्थापिका की सदस्य संख्या में वृद्धि।

डोमिनियन स्टेटस की मांग

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

आंदोलन शुरू करें या नहीं।

इस अवार्ड में मुस्लिम लीग, यूनियनिस्ट पार्टी समर्थित रवैया अपनाया गया था जिससे इन दलों व कांग्रेस के राष्ट्रवादी दलों में वैचारिक खाई का विस्तार हुआ। यही नहीं इस अवॉर्ड में मुस्लिमों के लिए अप्रत्यक्षतः प्रांतीय स्वायत्ता में प्रावधान भी निहित था।

इस अवार्ड का तथाकथित उद्देश्य अल्पसंख्यकों के अधिकारों का संरक्षण था। परंतु इसमें केवल वैधानिक प्रावधान किये गये थे जबकि आर्थिक व सामाजिक अधिकारों व कार्यक्रमों का जिक्र नहीं था।

हिंदुओं में फूट डालने का प्रयास
वास्तविक उत्तरदायी शासन का नियम नहीं

इस अवार्ड में यह भी उद्घोषित करने का प्रयास किया गया कि भारत में उत्तरदायी शासन के प्रयास किये जा रहे हैं परंतु वास्तविक धरातल पर वस्तुस्थिति अलग थी यही नहीं इस घोषणा ने राष्ट्रवादी व संविधानवादी - उदारवादियों में मतभेद उत्पन्न किये।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

समग्रतः कम्युनल अवॉर्ड व्यवहारतः तो दूर सैद्धांतिकतः भी अल्पसंख्यक हित में कहीं भी नजर नहीं आता। यह घोषणा मुस्लिम लीग, रियासतों के प्रति तुष्टीकरण का प्रमाण प्रतीत होता है। महात्मा गाँधीजी ने पूना समझौते के माध्यम से दलित वर्ग को इस अवार्ड से बचाने का प्रयास किया।

आगा पट इयान दें

5

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	1/4	2	2	1/4	1/4	1/4	
Grade	B	B	B	C	B	B	

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

13. बीसवीं सदी का अंतिम दशक भारतीय सामाजिक-आर्थिक जीवन का एक महाप्रस्थान सिद्ध हुआ, जिसमें वैश्विक चुनौतियों एवं संभावनाओं के सांचे पर सरकार की नीतियों एवं कार्यक्रमों ने आकार ग्रहण किया, जो अपने चारित्रिक लक्षणों में पूर्ववर्ती नीतियों एवं कार्यक्रमों से नितांत भिन्न थे। व्याख्या करें। (250 शब्द) 12.5

The last decade of 20th Century proved to be a great departure in socio-economic life of India, in which government policies and programs took shape in the background of global challenges and opportunities, which were completely different in their characteristic features from earlier policies and programs. Explain. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

२० वीं सदी के अंतिम दशक में भारतीय ~~नीत~~ सामाजिक-आर्थिक जीवन को अनेकों वैश्विक चुनौतियों व संभावनाओं ने प्रेरित किया -

सोवियत संघ के विघटन के साथ ही समाजवादी-साम्यवादी मॉडल की असफलता सिद्ध हो चुकी थी। पश्चिमी देशों देशों में सूचना क्रांति का तीव्र प्रसार भी प्रमुख संभावना थी। विश्व व्यापार संगठन जैसे बहुआयामी संगठन के विकास ने भारत को नीतिगत परिवर्तन हेतु प्रेरित किया तो एकध्रुवीय अमेरिकी प्रधान विश्व में संरक्षणवाद की जगह वैश्वीकरण-उदारवाद को प्रेरणा मिली।

इन परिस्थितियों के मद्देनजर भारतीय नीतियों - कार्यक्रमों में आमूलचूल परिवर्तन परिलक्षित हुये।

1991 के आर्थिक सुधारों में भारत ने

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

अपनी अर्थव्यवस्था का उदारीकरण करते हुए वैश्वीकरण से संबद्धता की एवं निजीकरण को बढ़ावा दिया। यह नीति पूर्ववर्ती संरक्षणवाद की नीति से भिन्न थी।

सामाजिक सुधार कार्यक्रमों जैसे अनुसूचित जाति - जनजाति आयोगों की स्थापना। महिला आयोग की स्थापना से वंचित वर्गों के प्रति कल्याणकारी राज्य की अवधारणा सामने आयी।

भारत की नीति अब अधिकतम विदेशी पूंजी अंतर्वाह, व्यापार नियमों के उदारीकरण, सार्वजनिक क्षेत्र के विनिवेशन की दिशा में मुख्यतः 1991 के आर्थिक संकट से प्रेरित थी।

भारत में मातृत्व सुरक्षा, स्वर्णरोजगार (ग्रामीण - शहरी) गारंटी योजना, स्वास्थ्य सेवा, सिंचाई अवसंरचना के निर्माण में सरकारों की भूमिका तो रही परंतु इन क्षेत्रों में अकुशलता से निजी क्षेत्र की भूमिका बढ़ने

संचार तकनीकी के विकास से सामाजिक

सामाजिक - आर्थिक जीवन पर प्रभाव
- निर्यात में वृद्धि
- विदेशी मुद्रा भंडार में वृद्धि
- लाइसेंस राज की समाप्ति
- प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि
- तलाक में वृद्धि
- एकल परिवार व्यवस्था में प्रचलन

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

अंतर्क्रिया बढ़ने से गुड-गवर्नेंस की अवधारणा बढ़ी।

भारत में सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग, अंतरिक्ष उद्योग में भी तीव्रता से अभिमुखन दर्ज किया जाने लगा।

सारांशतः यह कहना उपयुक्त होगा कि पूर्ववत् संरक्षणवाद, सार्वजनिक क्षेत्र की प्रधानता जैसी स्थितियों के विपरीत 20वीं सदी के अंतिम दशक में निजीकरण, वैश्वीकरण, सामाजिक अंतक्रियाँ में वृद्धि जैसे लक्षणों की प्रधानता स्थापित होने लगी थी।

4

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	1/4	2	1	1/4	1/4	1/4	
Grade	B	B	C	B	B	B	

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

14. 1967 का आम चुनाव कई मामलों में विशिष्ट था, जिसमें कुछ ऐसी नई प्रवृत्तियों का जन्म हुआ जिन्होंने भारतीय राजनीति पर मूलगामी एवं गहरी छाप छोड़ी। विवेचना करें। (250 शब्द) 12.5

The 1967 General Election was unique in certain matters, in which some such new trends took birth which left a fundamental and deep impression over Indian politics. Discuss. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

1967 का आम चुनाव पहली बार नेहरु की अनुपस्थिति में कांग्रेस द्वारा लड़ा गया था।

इस चुनाव में कई ऐसे मामलों का उद्भव हुआ जिनका भावी भारतीय राजनीति पर दूरगामी प्रभाव पड़ा।

इससे पूर्व में हुए चुनाव राष्ट्रीय करिश्माई नेतृत्व के आधार पर लड़े गये थे जिसमें वैचारिक भिन्नता व विकासात्मक मुद्दों की द्वितीयक स्थिति होती थी परंतु इस चुनाव में पहली बार चुनाव का आधार वैचारिक भिन्नता व विकासात्मक मुद्दों को बनाया गया था जैसे इंदिरा गाँधी के द्वारा बैंकों का राष्ट्रीयकरण, रजवाड़ों के प्रिवी पर्स प्रिवी पर्स व्यवस्था को 1971 में समाप्त किया गया को समाप्त को मुख्य मुद्दा बनाया गया।

• कांग्रेस के भीतर सत्ता का संघर्ष

इसका भारतीय राजनीति पर गहरा प्रभाव पड़ा जिसे जो 1980, 1984 के चुनावों के साथ-साथ 1990 के चुनावों में परिलक्षित होती है

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

- पहली बार इस चुनाव में जातिगत व वर्गगत मुद्दों को चुनाव का विषय बनाया गया जो आगे भी परिलक्षित होते हैं।

इन चुनावों में राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों को व्यक्ति विशिष्टता के साथ समायोजित किया गया। इसका प्रभाव वर्तमान समय तक भी परिलक्षित हो रहा है।

नवीन प्रवृत्तियाँ - इन चुनावों में कांग्रेस के विरोधी विचारधारा का उदय हुआ। यद्यपि ये अल्पमत में थे परंतु बाद में क्रमिक रूप से प्रतिपक्षी दल की भारतीय राजनीति में भूमिका बढ़ती गयी एवं 1977 में प्रथम बार प्रतिपक्षी सरकार बनी जो भारतीय राजनीतिक परिपक्वता को दर्शाता है।

- गठबंधन सरकार की स्थापना।
- अल्पकालिक सरकारों की स्थापना।
- दल-बदल की प्रवृत्ति

आवश्यक विषय वस्तु को शामिल करें।

सारांशतः व्यक्ति केंद्रीयता की जगह विकासात्मक मुद्दों, जातिगत पहलू, प्रतिपक्षी विचारधारा का उद्गम, आर्थिक-सामाजिक विकास के मुद्दे आदि कुछ ऐसी प्रवृत्तियाँ

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

का इन चुनावों में उभार हुआ कि भारतीय राजनीति पर दीर्घकालिक प्रभाव पड़े।

इसके अल्पकालिक प्रभाव प्रांतीय-केंद्रीय स्तर पर भिन्न-2 समय चुनाव होने ; संविधानेत्तर प्रावधानों से प्रांतों में राष्ट्रपति शासन लागू करना जैसे नकारात्मक रूप में भी परिलक्षित हुआ

3

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	1/4	1	1	1/2	1/2	1/2	
Grade	c	a	c	c	c	c	

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
Please do not write anything except the question number in this space)

15. 'ठुमरी' अर्द्ध-शास्त्रीय भारतीय संगीत की एक विशिष्ट शैली है जो आज भी अपनी जीवंतता को अक्षुण्ण रखे हुए है। इस शैली की मौलिक विशेषताओं की चर्चा करते हुए इससे संबंधित प्रमुख कलाकारों का उल्लेख करें। (250 शब्द) 12.5

'Thumri' is a unique genre of semi-classical Indian music, which has still kept its vividness intact. Mention famous artists related to it while discussing its fundamental characteristics. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

ठुमरी हिंदुस्तानी शैली की प्रमुख गायन विधा है।

यह शैली मुख्यतः उत्तरी भारत में प्रचलित है यह मुगलकालीन समय से उद्भवित हुयी थी।

इस शैली की प्रमुख विशेषता यह है कि यह शैली लोक संगीत व शास्त्रीय संगीत का बेहतरीन समायोजन प्रस्तुत करती है जिससे इसमें नियमों में पूर्णतः लचीलापन या पूर्णतः कठोरता का अभाव है।

यह शैली चूँकि हिंदुस्तानी शैली का भाग है इसलिए यह ढोलक, हारमोनियम व वीणा प्रधान वाद्य यंत्रों के साथ अभिनीत किया जाता है

यह शैली ख्याल का उदार स्वरूप है।

ठुमरी शैली में गजल के समान उर्दू व फारसी के साथ-साथ हिंदी शब्दों का

विशेषताएं
राधा-कृष्ण के जीवन प्रसंगों का वर्णन
रस, रंग और भाव की प्रधानता
प्रेमगीत
संगीतात्मक व्याकरण का सख्ती से पालन नहीं

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

समायोजन है
ठुमरी शैली की प्रमुख कलाकार बेगम अख्तर रही हैं। इन्होंने उत्तरप्रदेश में ठुमरी शैली की लोकप्रियता को बनाए रखने में महत्ती भूमिका निभायी। राष्ट्रीय स्तर पर अनेक कार्यक्रमों का मंचन किया।

3

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
Please do not write anything except the question number in this space)

17. पाश्चात्य जगत के लिये स्वामी विवेकानंद भारत के पहले सांस्कृतिक राजदूत थे, जिन्होंने भारत के सांस्कृतिक एकीकरण में अतुल्य योगदान दिया। विवेचना कीजिये। (250 शब्द) 12.5

Swami Vivekanand was India's first cultural envoy to the western world, who made an incredible contribution to India's cultural unification. Explain. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space

स्वामी विवेकानंद को सुभाषचंद्र बोस ने भारत का आध्यात्मिक पिता कहा था।

स्वामी विवेकानंद ने संयुक्त राज्य अमेरिका में शिकागो धर्म सम्मेलन में भाग लेकर भारतीय संस्कृति का प्रथमतः अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रतिनिधित्व किया। इन्होंने भारतीय साहित्य जैसे उपनिषद, कृष्ण से पाश्चात्य जगत से परिचित कराया।

इन्होंने जोर दिया कि पाश्चात्य जगत के भौतिकवाद व भारत के आध्यात्मवाद के समन्वय से बेहतर मानव व विश्व का निर्माण संभव है

इन्होंने भारत के सांस्कृतिक एकीकरण में अतुल्य योगदान दिया। इन्होंने भारतीयों की मुझे मत छुओ की प्रवृत्ति का विरोध किया। इन्होंने बताया कि यह प्रवृत्ति भारत की सांस्कृतिक एकता का प्रमुख विरोधी है

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

इन्होंने बताया कि हमारी मातृभूमि की सर्वश्रेष्ठ विशेषता यह है कि यह हिंदू - मुस्लिम जैसे दो महान धर्मों के समन्वय का केंद्र है

साथ ही इन्होंने यह बताया कि सभी धर्मों का उद्देश्य मानव सेवा है। सभी धर्मों में विभिन्न मार्गों से ही मानव सेवा की प्रधानता है, अतः भेदभावों से दूर हटकर मानव मात्र की सेवा ही सर्वोच्च धर्म है

इन्होंने यह भी उद्घोषित किया कि "मेरा ईश्वर हर धर्म, जाति का दुखी पीडित मानव है" इन्होंने कहा कि मानव की सेवा करके इसी जन्म में मोक्ष अर्जित किया जा सकता है

ये धर्म परिवर्तन, ईसाईकरण, नस्लीय भेदभाव जैसे प्रतिक्रियावादी क्रियाकलापों के विरोधी थे।

इन्होंने स्त्री शिक्षा, दलित सेवा से प्रेरित होकर ही रामकृष्ण मिशन की

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

स्थापना की थी।

समग्रतः स्वामी विवेकानंद का मंतव्य यह था कि मानव धर्म सेवा ही सभी धर्मों का मूल है चाहे वह किसी भी धर्म का हो। साथ ही ये सामाजिक समन्वय, उपासना की सरल पद्धति (मूर्तिपूजा) के माध्यम से भी सांस्कृतिक एकीकरण में योगदान दिया

भारत की सांस्कृतिक एकीकरण में स्वामी जी के योगदान का स्पष्ट उल्लेख नहीं

4½

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	¼	2	1½	¼	¼	¼	
Grade	B	B	C+	B	B	B	

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

20. 'मीमांसा दर्शन तर्कपूर्ण चिंतन, विवेचन तथा अनुप्रयोग की कला है।' कथन को स्पष्ट करते हुए इस दर्शन के प्रमुख तत्त्वों की चर्चा करें। (250 शब्द) 12.5

'Mimansa school of philosophy is an art of rational thought, explanation and application.' Discuss its main Characteristics while explaining the statement. (250 words) 12.5

मीमांसा दर्शन का उदय गुप्तकाल में हुआ। यह मुख्यतः दो चरणों में विकसित हुआ - पूर्व मीमांसा व उत्तर मीमांसा।

पूर्व मीमांसा का प्रतिपादन जैमिनी थे जिन्होंने याज्ञिक कर्मकांडों व अनुष्ठानों का समर्थन किया।

उत्तर मीमांसा का जनक बादरायण थे। यह मूलतः उपनिषद या वेदों पर आधारित था। इसमें धार्मिक अनुष्ठान व कर्मकांडों की आलोचना की गयी है तथा उसके स्थान पर तर्क-वितर्क को प्रधानता दी गयी है।

उपर्युक्त कथन मुख्यतः उत्तर मीमांसा को ही उद्घोषित करता है। यह किसी भी परंपरा का समर्थन तार्किक आधार पर ही करता है।

मीमांसा दर्शन के प्रमुख तत्वों की चर्चा करें।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

मीमांसा दर्शन

2

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

इसमें बीस प्रश्न हैं तथा हिन्दी और अंग्रेज़ी दोनों में छपे हैं।

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्प उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम व अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।

प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

*There are **TWENTY** questions printed both in **HINDI** and in **ENGLISH**.*

All the questions are compulsory.

The number of marks carried by a question is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clear on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be give for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck o

रफ कार्य के लिये स्थान

(Space for Rough Work)

Copyright – Drishti The Vision Founda